

म

म 1. नागरी वर्णमाला का पचीसवाँ व्यंजन जो प वर्ग का अंतिम वर्ण है- इसका उच्चारण होंठ और नासिका से होता है, संगीत में यह 'मध्यम स्वर' और छंद शास्त्र में 'मगण' का संकेत देता है।

मंकुर पुं. (तत्.) 1. शीशा, मुकुट, दर्पण, आईना, मुकुर 2. कुम्हार का चाक चलाने वाला डंडा 3. बकुल, मौलसिरी।

मंग स्त्री. (देश.) 1. जाना, हिलना-जुलना 2. नाव का अगला भाग 3. माँग, सीमंत, जटा, सिर।

मंगत पुं. (देश.) भीख में मिली वस्तु।

मंगता पुं. (देश.) 1. माँगने की क्रिया या भाव 2. भीख माँगने वाला, भिक्षुक, भिखारी, भिखमंगा, याचक, मंगन।

मंगन पुं. (देश.) दे. मँगता।

मंगल पुं. (तत्.) 1. कल्याण, भलाई, क्षेम, हित 2. सौभाग्य 3. आनंद 4. आशीर्वाद 5. शुभ कार्य/वस्तु 6. शुभ अवसर 7. कुशल 8. विवाह 9. मांगलिक उत्सव 10. विवाह आदि हर्षपूर्ण अवसरों पर गाए जाने वाले मांगलिक गीत 2. सौर जगत का एक प्रसिद्ध ग्रह 3. मंगलवार, मंगल का दिन 4. सफेद रंग की एक कठोर धातु जिसका उपयोग शीशे का सामान बनाने में होता है वि. कल्याणकारी, शुभ, भाग्यशाली, समृद्धि/सौभाग्य देने वाला।

मंगल कलश पुं. (तत्.) शुभ या मांगलिक अवसरों पर पूजा के अथवा शोभा के लिए रखा जाने वाला (पानी का) घड़ा, मंगलघट।

मंगल कामना स्त्री. (तत्.) कल्याण की कामना, शुभकामना।

मंगलकारी वि. (तत्.) कल्याणकारी, शुभ।

मंगलकार्य पुं. (तत्.) शुभ कार्य, विवाह, जन्म, यज्ञोपवीत आदि के उत्सव या पूजा-कार्य इत्यादि, मांगलिक कृत्य।

मंगलकाल पुं. (तत्.) शुभ समय, शुभ घड़ी।

मंगलतूर्य पुं. (तत्.) शुभ अवसरों पर बजाया जाने वाला वाद्य, बिगुल आदि मंगलवाद्य।

मंगलपाठ पुं. (तत्.) 1. वह पद्य या गीत जो किसी शुभ कार्य के पहले मंगल अर्थात् कल्याण की कामना से पढ़ा या गाया जाता है 2. ग्रंथ आदि के आरंभ में उसकी निर्विघ्न समाप्ति के लिए लिखा जाने वाला मांगलिक श्लोक या प्रार्थना आदि।

मंगल पाठक पुं. (तत्.) 1. राजा की स्तुति करने वाला भाट या मागध याचारण, कैदी गण अथवा बंदीजन 2. मंगलपाठ करने वाला, मंगलाचरण पढ़ने वाला 3. स्तुति पाठक।

मंगलपुष्प पुं. (तत्.) मांगलिक पूजन आदि में काम में आने वाले फूल, शुभ फूल।

मंगलभेदी स्त्री. (देश.) विवाह आदि शुभ अवसरों पर बजाए जाने वाली भेरी या ढोल या तुरही।

मंगलमूर्ति वि. (तत्.) 1. अत्यंत मंगलमय, मंगलरूप 2. प्रायः गणेश के लिए प्रयुक्त विशेषण।

मंगलमूल वि. (तत्.) जो मंगल का जन्मदाता हो, अत्यंत मंगलमय।

मंगलवाद्य पुं. (तत्.) शुभ अवसरों पर बजाए जाने वाले वाद्य।

मंगलवार पुं. (तत्.) भौमवार, सोमवार के बाद और बुधवार से पहले अर्थात् सप्ताह में सोमवार और बुधवार के बीच का दिन।

मंगलव्रत पुं. (तत्.) 1. मंगलवार को किया जाने वाला व्रत 2. स्वयं के लिए अथवा दूसरे के शुभ के लिए किया जाने वाला व्रत।

मंगलसूत्र पुं. (तत्.) 1. किसी देवता के प्रसाद-रूप में कलाई पर बाँधा जाने वाला (प्रायः लाल रंग का) डोरा या तागा 2. सुहागिन स्त्रियों के अपने सुहाग के लिए गले में पहनने की लड़ी या माला-यह